

प्रदेश के सभी ज़िलों में पेयजल जाँच प्रयोगशालाओं को मिला 'एनएबीएल एक्रीडशिन'

चर्चा में क्यों?

17 जनवरी, 2022 को राजस्थान के जलदाय मंत्री डॉ. महेश जोशी ने बताया कि जल-स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) के तहत प्रदेश में पेयजल गुणवत्ता जाँच के लिये समस्त ज़िलों में संचालित पेयजल गुणवत्ता जाँच प्रयोगशालाओं को 'एनएबीएल एक्रीडशिन' प्रमाणीकरण मिला गया है।

प्रमुख बिंदु

- पीएचईडी में राजधानी जयपुर में मुख्यालय पर राज्यस्तरीय पेयजल गुणवत्ता जाँच प्रयोगशाला स्थापित है, इसके अलावा अन्य 32 ज़िलों में जिलास्तरीय प्रयोगशालाएँ चलाई जा रही हैं। अब इन सभी 33 प्रयोगशालाओं को राष्ट्रीय स्तर की स्वतंत्र संस्था 'नेशनल एक्रीडशिन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड केलिब्रेशन लेबोरेटरीज' (एनएबीएल) से प्रमाणीकरण मिला गया है।
- देश में एनएबीएल जाँच प्रयोगशालाओं के प्रमाणीकरण के लिये राष्ट्रीय स्तर की एक स्वतंत्र संस्था है। इसके द्वारा आईएसओ/आईईसी:17025 के तहत परीक्षण प्रयोगशालाओं को एनएबीएल प्रमाणीकरण दिया जाता है।
- यह संस्था भारत सरकार में 'कवालिटि काउंसिल ऑफ इंडिया' के तहत स्थापित है, जो लेबोरेटरीज के 'एनएबीएल एक्रीडशिन' के लिये थर्ड पार्टी एजेंसी के रूप में प्रयोगशालाओं की लीगल आईडेंटिटी, इसमें कार्यरत मानव श्रम की संख्या के साथ ही उनकी योग्यता और अनुभव, उपकरणों के समयबद्ध केलिब्रेशन (जाँच में दक्षता की परख) आदि बिंदुओं के आधार पर 'परफॉर्मेंस ऑडिट' के बाद प्रमाणीकरण करती है।
- राज्य सरकार द्वारा आमजन के स्तर पर पेयजल गुणवत्ता जाँच को बढ़ावा देने के लिये एक महत्त्वपूर्ण नरिणय के तहत सभी नागरिकों हेतु 16 बिंदुओं पर आधारित पेयजल गुणवत्ता परीक्षण की दर 1000 रुपए से घटाकर 600 रुपए की गई है। इससे प्रदेश की सभी 'एनएबीएल एक्रीडेटेड' जिलास्तरीय गुणवत्ता जाँच प्रयोगशालाओं में लोगों को फ्लोराइड, नाइट्रेट, थर्मो टॉलरेंट कॉलीफॉर्म बैक्टीरिया, टोटल कोलोफॉर्म बैक्टीरिया, आर्सेनिक, आयरन, सल्फेट, क्लोराइड, रेजडियुअल क्लोरीन, टोटल हार्डनेस, टोटल अलकैलिनिति, टर्बनिडिटी, टोटल डजिऑल्वड सॉलडि, पीएच, कलर और ऑडर के 16 बिंदुओं पर आधारित गुणवत्ता जाँच की सुविधा मुहैया कराई जा रही है।
- डॉ. जोशी ने बताया कि प्रदेश में जल जीवन मशिन (जेजेएम) के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में वर्ष 2024 तक सभी परिवारों को 'हर घर जल' कनेक्शन उपलब्ध कराने के साथ ही वाटर कवालिटि मॉनिटरिंग एंड सर्वलियिंस (डब्ल्यूक्यूएमएस) प्रोगाम में पेयजल गुणवत्ता की दृष्टि से प्रदेश में चालू वित्तीय वर्ष में 102 नई ब्लॉकस्तरीय पेयजल गुणवत्ता जाँच प्रयोगशालाएँ भी स्थापित की जाएंगी।
- डॉ. जोशी ने बताया कि जल जीवन मशिन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के लिये स्वीकृत परियोजनाओं में 'हर घर जल' कनेक्शन के माध्यम से स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल आपूर्ति की मॉनिटरिंग हेतु 11 हजार 343 ग्राम पंचायतों में वितरण के लिये 12 हजार से अधिक 'फील्ड टेस्टिंग किट' की खरीद की गई है। इस किट का उपयोग करते हुए राज्य के 43 हजार 323 गाँवों में गठित ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति (वीडब्ल्यूएससी-वलिज वाटर एंड सेनटिशन कमेटी) के सदस्य जेजेएम में 'हर घर जल' कनेक्शन के माध्यम से पेयजल आपूर्ति में गुणवत्ता की समयबद्ध जाँच कर सकेंगे।